न्याय निर्णयन अधिकारी एंव अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी– श्री ओ0पी0 बिश्नोई आर.ए.एस.

परिवाद संख्या 17/2015

प्रार्थी		**अप्रार्थी**
भूराराम गोदारा खाध सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी,बाड़मेर	**बनाम्**	महेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश जाति माली निवासी केशव कॉलोनी समदड़ी जिला बाड़मेर (मैं. अरबूड़ा आईसक्रीम केशव कॉलोनी, समदड़ी का मालिक)

परिवाद अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2 (ii) खाध सुरक्षा एंव मानक अधिनियम, 2006 व नियम 2011

उपस्थितः–1. सहायक लोक अभियोजक प्रथम बाड़मेर प्रार्थी की ओर से
2. श्री जितेन्द्र दवे एडवोकेट विप्रार्थी की ओर से

निर्णय **दिनांक 12.11.2016**

1. प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत परिवाद के अनुसार दिनांक 16.5.2015 को प्रार्थी खाध सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर के दौराने निरीक्षण जरिये सरकारी वाहन से मैसर्स अरबूड़ा आईसक्रीम केशव कॉलोनी समदड़ी दोपहर 01.30 बजे पहुॅचने पर दुकान में एक व्यक्ति बैठा हुआ मिला। जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम महेन्द्र पुत्र ओमपकाश जाति माली निवासी केशव कॉलोनी समदड़ी फर्म का मालिक बताया। रूबरू मौतबिरान की उपस्थिति में मैसर्स अरबूड़ा आईसक्रीम केशव कॉलोनी समदड़ी का निरीक्षण करने पर दुकान में कुंल्फी (दूध व शक्कर से निर्मित) के 50–50 ग्राम के लगभग 100 पीस आम जनता को विक्रय हेतु रखे हुए पाये गये। निरीक्षण के दौरान् कुल्फी में मिलावट का सन्देह होने पर उक्त 100 पीस में से 50–50 ग्राम के 28 पीस खरीदे, जिसका भुगतान मालिक विक्रेता को 140/– रूपये नगद अदा कर रसीद प्राप्त की। उक्त 28 पीस को खोलकर एक स्टील की भगोनी, जो दुकान में रखी हुई थी, में डाला तथा हिला–हिलाकर एकरूप कर उसे

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर

चार कॉच की शीशीयां में बराबर–बराबर मात्रा में भर कर प्रत्येक पैकेट पर लेबल चिपकाया, जिस पर नमूने का विवरण अंकित कर गवाहो व मालिक विक्रेता के हस्ताक्षर करवाये गये एवं पेपर स्लीप कोड एंव सिरियल नम्बर पी.527 चिपकाकर चिपडी लगाकर नियमानुसार सीलबंद किया गया। इसके उपर लेबल चिपका कर नमूने का विवरण अंकित किया, प्रार्थी व गवाहान के हस्ताक्षर करवाये गये। प्रत्येक नमूने को मोटे व खाखी कागज में लपेट कर प्रत्येक नमूने पर विवरण अंकित किया, इस पर प्रार्थी व गवाहों के पेपर स्लीप को क्रॉस करते हुए हस्ताक्षर करवाये। फार्म नम्बर 05 ए भरकर गवाहों एंव प्रार्थी के हस्ताक्षर करवाये गये उपरोक्त कार्यवाही दो गवाहो के रूबरू की गई तथा चारो नमूनो को अपने कब्जे में लिया व मौके पर गवाहों की उपस्थिति में मौका फर्द तैयार की गई। सभी कार्यवाही करने के बाद कार्यालय आकर नमूना पी.527 जॉच हेतु खाध सुरक्षा लैब जोधपुर को भिजवाने हेतु फार्म नम्बर 06 की कुल सात प्रतियो पर नमूना सील जिसका प्रयोग सेंपल लेते वक्त नमूना सील करने में किया गया। एक प्रति नमूने के साथ रखकर आउटर कवर के साथ उसी ब्राससील से सील किया जिसका प्रयोग चारो नमूनो को सीलबन्द करने में किया गया एंव आउटर कवर कर, नमूना विवरण अंकित किया गया एंव एक लिफाफे में फार्म नम्बर 06 की एक प्रति रखकर खाध सुरक्षा लैब जोधपुर का पता अंकित कर ब्राससील द्वारा लिफाफे को सील बन्द किया गया। नमूनो के शेष दूसरा, तीसरा व चौथा भाग मय फार्म नम्बर 06 की एक प्रति आउटर कवर में ब्राससील से सील कर सील अवस्था में अभिहित अधिकारी एंव मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बाड़मेर को भिजवाने जाने का उल्लेख किया गया। प्रार्थी ने परिवाद में यह भी उल्लेखित किया गया कि कुल्फी का नमूना पी. 527 की जॉच रिपोर्ट एलएस/360/एक्ट/2015/359 दिनांक 01.06.2015 अभिहित अधिकारी एंव मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी, बाड़मेर को प्राप्त हुई का अवलोकन करने पर नमूना पी.527 निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप नहीं होने से नमूना अवमानक स्तर का पाया गया। प्रकरण में अप्रार्थी द्वारा खाध पदार्थ कुल्फी का विक्रय करके खाध सुरक्षा एंव मानक अधिनियम 2006 एंव नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (ii) का उल्लंघन करना पाये जाने के आधार पर प्रार्थी खाध सुरक्षा अधिकारी ने समुचित कार्यवाही किये जाने हेतु यह परिवाद पेश किया। खाध सुरक्षा अधिकारी ने परिवाद के साथ गजट नोटिफिकेशन की प्रति,

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर

कार्यक्षेत्र का नोटिफिकेशन एंव संशोधित नोटिफिकेशन की प्रति,फार्म नम्बर 5 ए,नमूना खरीद रसीद, मौका फर्द, नमूना पी.527 जॉच रिपोर्ट अभिहित अधिकारी द्वारा पत्रावली पेश करने हेतु आवेदन, फाईल करने बाबत लिखा गया पत्र की प्रति प्रस्तुत की गयी।

2. परिवाद प्राप्त होने पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। अप्रार्थी की ओर से श्री जितेन्द्र दवे अधिवक्ता उपस्थित हुए। अप्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि उसके द्वारा कुल्फी में किसी प्रकार की मिलावट नहीं की गई है। अप्रार्थी लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर उक्त परिवाद का निरस्तारण करवाना चाहता है।

3. हमने दोनो पक्षों को सुना। सहायक लोक अभियोजक प्रथम का यह तर्क है कि दिनांक 16.05.2015 को निरीक्षण के दौरान् मैसर्स अरबूड़ा आईसक्रीम केशव कॉलोनी समदड़ी की दुकान में कुल्फी आम जनता को बेचने हेतु रखी हुई थी। कुल्फी का नमूना जांच में अवमानक स्तर का होना पाया गया, जो खाध सुरक्षा एंव मानक अधिनियम की धारा 51 का उल्लंघन है। इसलिये अप्रार्थी पर जुर्माना आरोपित किया जाए।

4. हमने दोनो पक्षो की बहस सुनी। परिवाद में वर्णित तथ्यों एंव इसके साथ संलग्न दस्तावेजात तथा खाध विशलेषक जोधपुर से प्राप्त जॉच रिपोर्ट के अनुसार कुल्फी का नमूना पी. 527 अवमानक स्तर का होना पाया गया है, जिसके लिये अप्रार्थी दोषी प्रतीत होता है।

5. अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अप्रार्थी महेन्द्र खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 व नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (ii) के तहत अवमानक पाई गई कुल्फी बेचने का दोषी है। जिसके लिये उपरोक्त अधिनियम की धारा 51 में अवमानक पदार्थ पाये जाने पर शास्ति आरोपित किये जाने का प्रावधान है। अतः खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2 (ii) का उल्लंघन करने एवं अपराध कारित होने के फलस्वरूप तथा लोक अदालत की भावना को ध्यान में रखते हुए उक्त अधिनियम की धारा 51 में अप्रार्थी महेन्द्र पर 5000/– अक्षरे रूपये पांच हजार मात्र शास्ति आरोपित

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर

की जाती है। उपरोक्त शास्ति की राशि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बाड़मेर के नाम डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से निर्णय तारीख 12.11.2016 से एक माह के अंदर--अंदर जमा कराकर रसीद प्राप्त करें।

(ओ0पी0बिश्नोई)
न्याय निर्णयन अधिकारी एंव
अति. जिला मजिस्ट्रेट, बाडमेर
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर

निर्णय आज दिनांक 12.11.2016 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

न्याय निर्णयन अधिकारी एंव
अति. जिला मजिस्ट्रेट, बाडमेर